भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
23.07.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 637 का उत्तर

कांवड़ मेला/चार धाम यात्रा के लिए रेल व्यवस्था

637. श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2025 में कांवड़ मेले और चार धाम यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों की बढ़ती संख्या को ध्यान में रखते हुए रेल सेवाओं को किस प्रकार सुदृढ़ किया गया है;

(ख) उपर्युक्त प्रयोजनों के लिए संचालित/संचालित की जाने वाली विशेष रेलगाड़ियों का ब्यौरा क्या है, साथ ही उन प्रमुख स्टेशनों के नाम क्या हैं जहाँ प्लेटफार्म सुविधाओं का विस्तार किया गया है और इन स्टेशनों पर किस प्रकार अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती की गई है/की जाने की संभावना है;

(ग) रेलवन ऐप जैसे डिजिटल माध्यमों के द्वारा तीर्थयात्रियों को प्रदान की गई/प्रदान की जाने वाली महत्वपूर्ण सुविधाओं का ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त विशेष रेल सेवाओं की सुचारू निगरानी, प्रबंधन और समन्वय के लिए की गई विशेष व्यवस्थाओं का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ) भारतीय रेल, परिचालनिक व्यवहार्यता, यातायात औचित्य आदि के अधीन, यात्रियों की सुविधा के लिए पर्यटन/तीर्थयात्रा महत्त्व के गंतव्यों के लिए मेला/यात्रा/त्योहारों और छुट्टियों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को नियंत्रित करने के लिए विशेष रेलगाड़ियां चलाती है। भारतीय रेल, मेला/यात्रा/त्योहारों के दौरान यात्रियों के लिए अतिरिक्त सुविधाएं उपलब्ध कराने के साथ-साथ अस्थायी आधार पर रेलगाड़ियों की संख्या भी बढ़ाती है। तदनुसार, भारतीय रेल ने 17 जुलाई तक श्रावणी मेला- 2025 के दौरान तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए स्पेशल ट्रेनों की 1038 यात्राएं अधिसूचित की है।

रेलवन ऐप आरक्षित, अनारक्षित और प्लेटफार्म टिकट की बुकिंग, ट्रेन खोजने के विकल्प, कोच की स्थिति, चलती गाड़ी की ट्रैकिंग, पीएनआर पूछताछ, रेलमदद आदि जैसे यात्रियों से संबंधित महत्वपूर्ण सुविधाएं प्रदान करता हैं जिनका लाभ यात्री उठा सकते हैं।

रेल सुरक्षा बल (आरपीएफ) राजकीय रेलवे पुलिस और अन्य हितधारकों के समन्वय के साथ चल रहे श्रावणी मेला/चार धाम यात्रा के दौरान विभिन्न रेलवे स्टेशनों पर आने/जाने वाले यात्रियों/तीर्थयात्रियों के सुचारू आवागमन के लिए व्यापक सुरक्षा उपायों को लागू कर रहा है। जिसमें शामिल हैं:

(i) अतिरिक्त सुरक्षा कर्मियों की तैनाती।

(ii) निगरानी के लिए सीसीटीवी, हैंड हेल्ड मेटल डिटेक्टर (एचएचएमडी) आदि जैसे आधुनिक उपकरणों का उपयोग।

(iii) यात्रियों की सुरक्षा बढ़ाने तथा उनकी सुरक्षा संबंधी चिंताओं का समाधान करने के लिए ट्विटर, फेसबुक आदि जैसे विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों के माध्यम से यात्रियों के साथ नियमित संपर्क बनाए रखना।

(iv) यात्रियों की सहायता के लिए रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 (आपातकालीन प्रतिक्रिया सहायता प्रणाली नंबर 112 के साथ एकीकृत) भारतीय रेलवे पर (24x7) चालू है।

*****